نہیں رہےگی لیکن جو اپر ادھی تتو ہیں اور گروہ ہیں او رشاسن کا وہ حصہ جو بچوں کے اوپر ظلم کرکے ڈیفارمٹی پیدا کر رہےہیں اور انکو بھیک مانگنے کے لئے مجبور کر رہے ہیں انکو آپ پکڑنے کی کوشش کرینگے یا نہیں یہ میں آپ سے جاننا چاہتا ہوں۔

श्री संतोष कुमार गंगवार : महोदय, हमारा देश इतना बड़ा देश हैं कि वहां पर जैसा इन्होने कहा कि इस काम को एकदम रोकना संभव नहीं हैं .....(**व्यवधान**).....

श्री दीपांकर मुखर्जी : कनॉट प्लेस से शुरू कीजिए, हम आपके साथ हैं।

श्री मोहम्मद सलीम : बहुत सवालों पर पार्लियामेंटरी कमेटी बनाई जाती हैं। हम पांच सदस्य राज्य सभा से देंगे, आप उनकी मदद लीजिए .....(**व्यवधान**).....

†**شری محمد سلیم:** بہت سوالوں پر پار لیمنٹری کمیٹی بنائی جاتی ہے۔ ہم پانچ ممبران راجیہ سبھا سے دینگے۔ آپ انکی مدد لیجئے..."مداخلت"...

संतोंष कुमार गंगवार : यह विषय कानून से ऊपर उठकर समाज का विषय हैं और अगर समाज के लोग इस पर बैठकर चिंता करेंगे तो सारे विभाग की बैठकर बात करेंगे। मेरा निवेदन है कि जो लोग समाज की जिम्मेदारी लेते हैं क्योंकि धार्मिक स्थानों पर और अन्य स्थानों पर बहुत बड़ी संख्या भिक्षुकों की मिलती हैं उन्हे इस बारे में सोचना चाहिए। मैं भी यह मानता हूं कि खाली कानून के अंदर हम इसको सीमित नहीं कर सकते हैं। अगर हम आंकड़े दें तो बहुत लंबे-चौड़े आंकड़े दे सकते हैं। माननीय सदस्य ने जो सुझाव दिया हैं, मैं संबंधित मंत्री जी को सदन की भावना से अवगत कराऊंगा और कहूंगा कि वे इस पर उचित कार्यवाही करें।

*303. *[The questions (Shrimati Veena Verma and Shri Akhilesh Das) were absent. For answer* vide *Col. 44 infra]*

†[]Transilleration in Arabic Script

Appointment of Regional Provident Fund Commissioner, Bihar

*304. SHRI JALALUDIN ANSAR1: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the post of Regional Provident Fund Commissiner, Bihar, Patna, is lying vacant for the last about one year and the Regional P.F. Commissioner is in dual charge of the Patna Regional P.F. office;

(b) whether it is also a fact that there is no permanent Regional Provident Fund Commissioner, Bihar, Patna, and much inconvenience is faced by the subsribers of Bihar region; and

(c) if answers to parts (a) and (b) be in the affirmative, by when a permanent Regional Provident Fund Commissioner, in Bihar is going to be posted?

THE MINISTER OF LABOUR (DR. SATYANARAYAN JATIYA): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

The post of Regional provident Fund Commissioner (RPFC) Bihar fell vacant on 1.4.1998. As per the Recruitment Rules, the post is required to be filled by promotion failing which by transfer on deputation. As there was no sclecf panel approved by the UPSC available to fill the vacant post by departmental promotion, the EPF Organisation decided to fill the vacancy by transfer on deputation. The process of selection has since been completed and necessary order has been issued to the Selected Officer on 10.9.98 to join the post of RPFC, Bihar. The officer who has been selected for the post is expected to join soon. During absence of the regular incumbent, the RPFC, Uttar Pradesh has been authorised to look after the day to day work of the Bihar Region as well. No incidence of inconvenience to the EPF subscribers in Bihar has been reported by the EPF Organisation.

शिव चरण सिंह

श्री जलालुदीन अंसारी : सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो जवाब दिया हैं वह असंतोषजनक हैं। बिहार के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त का पद दिनांक 1-4-98 से रिक्त हुआ और भरती के नियमों के अनुसार मंत्री जी ने जवाब दिया हैं कि पदोन्नति के द्वारा ऐसा न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण के आधार पर भरा जाना अपेक्षित हैं। चूंकि विभागीय प्रोन्नति द्वारा अनुमोदित कोई चयनित पैनल उपलब्ध नही था अतः कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से रिक्त पद को प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा भरने का निर्णय लिया था। इन्होने अपने उत्तर में कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी कर ली गई हैं और उसके अनुसार अधिकारी को पदभार ग्रहण करने के लिए 10-9-98 को इस आशय का आदेश जारी किया गया। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह आदेश जारी किए हुए तीन महीना दस दिन हो गए आज की तारीख में, लेकिन अभी तक वह क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पटना में नियुक्ति होनी थी वह आज तक नहीं हुई। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि उनकी जगह पर जो उत्तर प्रदेश के आयुक्त हैं वह एड्होक बेसिस पर काम कर रहे हैं और इन्होने उत्तर में यह कहा हैं कि इससे अंशदाताओं को कोई असुविधा नहीं हैं। मैं जानता हूं कि बिहार में ऐसे बहुत सारे मामले लम्बित हैं जो आयुक्त के नहीं रहने के कारण उन मामलों का निष्पादन नहीं हो रहा हैं और उन अंशदाताओं को काफी असुविधाएं हो रही हैं। इसलिए मेरा प्रश्न यह हैं कि माननीय मंत्री जी, यह बताएं कि वह पिछले एक साल से जो पद रिक्त है वह कब तक भरेंगे, इसकी निश्चित अवधि दें ताकि पटना में आयुक्त के नहीं रहने के कारण अंशदाताओं को जो वहां कठिनाई हो रही हैं उस कमी को दूर किया जाए। तीन महीना दस दिन बीत गए और अभी तक आदेश के मुताबिक वहां पदाधिकारी पदास्थापित नहीं हुए हैं। मंत्री जी, यह बताएं कि वह कब तक इस रिक्त पद को भरेंगे?

†**शری جلال الدین انصاری:** سبھاپتی مہودے۔ ماننیہ منتری جی نے جو جواب دیا ہے وہ غیر اطمنانجس ہے۔ بہار کے "اکشیتر یے بھو شے ندھی کا پد" بتاریہ ۹۸۔۴۔۱۱ سے خالی ہوا اور بھرتی کے اصولوں کے مطابق منتری جی نے جواب دیا ہے کہ پدانتی کے ذریعہ ایسا نہ ہونے پر پرتی نیکشی پر استھانا نترن کے آدھار پر بھرا جانا اپیکشت ہے۔ چونکہ وبھگیہ پرواونتی دوارا پد کو بھرے جانے کے لئے سنکھ لوک سیوا آیوگ دوارا انمودت کوئی جینت پینل اپ لبدھ نہیں تھا اسلئے کرمچاری بھو شے ندھی سنگھن کے خالی پد کو پرتی نیکتی پر استھانا نترن دوارا بھرنے کا نرنے لیا تھا انھوں نے اپنے جواب میں کہا ہے کہ چین پرکریا پوری کر لی گئی ہے۔اور اسکے مطابق ادھیکاری کو پدبھار گرھن کرنے کے لئے ۸۹۔۹۔۱۰کو اس آ شے کا آدیش جا ری کیا گیا۔ میں ماننیہ منتری جی سے جاننا چاہتا ہوں کہ یہ آدیش جاری کئے ہوئے تین مہینہ دس دن ہو گئے آج کی تاریخ میں لیکن ابھی تک وہ شیترئے بھو شے ندھی آیکت کی گھٹنا میں نیوکتی ہوئی تھی وہ آج تک نہیں ہوئی۔تو میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ انکی جگہ پر جو اتر پردیش کے آیکت ہیں وہ ایڈھاک بنیاد پر کام کر رہے ہیں او رانھوں نے جواب میں یہ کہا ہے کہ اس سے انش داتاؤں کو کوئی سویدھا نہیں ہے میں جانتا ہوں کہ بہار میں ایسے بہت سارے معاملے

†[ ]Transiliteration in Arabic Script

کمپت ہیں۔ جو آیکت کے نہیں رہنے کی وجہ سے ان معاملوں کا نپٹارہ نہیں ہو رہا ہے۔ اور ان انش داتاؤں کو کافی پریشانی ہو رہی ہے۔ اس لئے میرا سوال یہ ہے کہ ماننیہ منتری جی یہ بتائیں کہ وہ پچھلے ایک سال سے جو جگہیں خالی ہیں وہ کب تک بھرینگے۔ اسکا متعین وقت بتائیں تاکہ پٹنہ میں آیکت کی نہ رہنے کی وجہ سے انش داتاؤں کو جو وہاں دشواری ہو رہی ہے اس کمی کو دور کیا جائے۔ تین مہینے دس دن گزر گئے اور ابھی تک آدیش کے مطابق وہاں پد ادھیکاری پد استھاپت نہیں ہوئے ہیں۔ منتری جی یہ بتائیں کہ وہ کب تک ان خالی جگہوں کو بھریں گے۔

डा. सत्यनाराणय जटिया : जैसा कि माननीय सदस्य ने चिंता व्यक्त की हैं कि यह पद कब तक भरा जाएगा, मैं आश्वस्त हूं कि इस पद को भरने में एक सप्ताह का समय और लगेगा और उसके बाद यह पद भर दिया जाएगा, इतना मैं कह सकता हूं।

श्री जलालुदीन अंसारी : इस संबंध में मुझे यह भी कहना हैं कि विषय के अंदर ही होगा, इस विभाग में जो ग्रुप-सी हैं उससे संबंधित बिहार में 510 पद रिक्त थे, 400 पद भरे गए। लेकिन ग्रुप-सी के इसी विभाग के 110 पद अभी तक नहीं भरे गए हैं। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वह 110 पद जो ग्रुप-सी के हैं कब तक भरेंगे। उससे भी लोगों को असुविधा हो रही हैं। दूसरी बात हैं कि पिछले साल महाराष्ट्र में ....(**व्यवधान**)....

†**شری جلال الدین انصاری:** اس بارے میں مجھے یہ بھی کہنا ہے وہ و شے کے اندر ہی ہوگا۔ اس وبھاگ میں جو گروپ سی ہے اس سے متعلق بہار میں ۵۱۰ جگہیں خالی تھیں ۔ ۴۰۰ جگہیں بھری گئیں لیکن گروپ سی کے اسی وبھاگ کے ۱۱۰ جگہیں ابھی تک نہیں بھری گئیں۔ میں ماننیہ منتری جی سے جاننا چاہتا ہوں کہ وہ ۱۱۰ جگہیں جو گروپ سی کی ہیں کبتک بھریں گے اس سے بھی لوگوں کو پریشانی ہو رہی ہے۔ دوسری بات ہے کہ پچھلے سال مہاراشٹر میں ..."مداخلت"...

MR. CHAIRMAN: Please put a relevant question. Mr. Minister, do you want to reply to this question? Or, is it not related to the main question?

DR. SATYANARAYANA JATIA: No.

MR. CHAIRMAN: No. This question docs not arise out of the main question.

श्री जनार्दन यादव : बिहार से सम्बधित यह प्रश्न हैं ....(**व्यवधान**)....

MR. CHAIRMAN: You ask your supplementary only on this question.

श्री जनार्दन यादव : पिछली बार महाराष्ट्र में ....(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : महाराष्ट्र का सवाल नहीं हैं, यह सवाल हैं रीजनल प्रौविडेंट फंड का।

श्री जनार्दन यादव : 150 लोगों ने परीक्षा पास की। यह बिहार के है। लेकिन महाराष्ट्र में उनको सार्टिफिकेट नहीं मिला कि यह महाराष्ट्र में रह रहे हैं।

श्री सभापति : यह इस पर नहीं आता। it does not arise out of the main question.

श्रीमती मालती शर्मा : महोदय, मंत्री महोदय से मैं जानना चाहती हूं कि वहां 10-9-98 को दूसरे अधिकारी को पोस्ट करने के लिए आदेश दे दिए। क्या कारण रहा कि इतने समय तक भी उन्होने वहां जोइन नहीं किया।

श्री जलालुदीन अंसारी : उस पर कोई कार्रवाई की गई हैं या नहीं?

†[ ]Transilteration in Arabic Script

†**شری جلال الدین انصاری:** اس پر کوئی کارروائی کی گئی ہے یا نہیں۔

डा. सत्यनारायण जटिया : माननीय सभापति महोदय, भरती नियमों में प्रावधान हैं कि यदि क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ग्रुप-2 के ऐसे अधिकारी उपलब्ध नही होते हैं तो जिनको 5 वर्ष की नियमित सेवा का अनुभव प्राप्त नहीं होता हैं कि फिर इसको हैप्यूटेशन पर लेने के लिए उपाय किये जाते हैं। वह पद मांगे गए हैं और जो पद मांगे गए हैं उसी आधार पर मैंने आश्वस्त किया हैं कि वह प्रायः एक सप्ताह में अपना स्थान पूर्ति कर लेगा और यह काम नियमित रूप से शुरू हो जाएगा।

**305 /77»e Questioner (Shri Ghufran Azam) was absent. For answer* vide *Col. ..... infra]*

Opening of Financial Services

*306. SHRI PRAFULL GORADIA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have endorsed the recent World Trade Organisation pact for opening financial services;

(b) if so, the terms and conditions of the pact;

(c) whether Government have received any representations from various trade organisations; and

(d) if so, the details thereof and the reaction of Government thereon?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI RAMAKRISHNA HEGDE): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) As part of the single undertaking concluding the Uruguay round of Multilateral Trade Negotiations, the Government of India is a signatory to the General Agreement on Trade in Services (GATS), GATS includes financial services and India, like other Members of the' WTO, has undertaken certain Sectoral commitments in financial services.

(b) The following commitments in financial services have been made. All the commitments are subject to entry requirements, domestic laws, rules and regulations and the terms and conditions of the RBI, SEBI and any other competent authority in India.

MFN exemptions from all the sectors, *viz.* Insurance, Banking and Non-Banking Financial Services have been withdrawn. This was a reciprocal measure as all our major trading partners have also withdran their respective MFN exemptions.

A. Insurance and Insurance Related Services:

1. (i) Life insurance: No commitments.

(ii) No-life: Limited to insurance of freight where there is no requirement that goods in transit to and from India should be insured with Indian insurance companies only.

(iii) Reinsurance and retrocession: Reinsurance can be taken with foreign reinsurers to the extent of the residual uncovered risk after obligatory or Statutory placement are made domestically with Indian insurance companies.

B. Banking and Other Financial Services:

1. (i) Acceptance of deposits and other repayable funds from the public.

(ii) Lending of all types, including consumer credit, mortgage credit and financing of commercial transactions but excluding factoring.

(iii) All payments and money transmission services including credit charge and debit card,
trveller's cheques and bankers' draft.

(iv) Guarantees and commitments.

t[ ] Transilteration in Arabic Script